भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 271

गुरूवार, 3 फरवरी, 2022/14 माघ, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

राजस्थान और महाराष्ट्र में पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना

271. श्री हर्षवर्धन सिंह डुंगरपुरः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राजस्थान और महाराष्ट्र राज्य में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई प्रस्ताव या योजना विचाराधीन है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) गत पाँच वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान पर्यटन को बढ़ावा देने की ऐसी योजना के अंतर्गत राजस्थान और महाराष्ट्र की राज्य सरकारों को प्रदान की गई निधि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय, राजस्थान और महाराष्ट्र राज्यों में ग्रामीण पर्यटन सहित भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है । पर्यटन स्थलों की पहचान और विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) प्रशासन की जिम्मेदारी है । पर्यटन मंत्रालय अपनी "स्वदेश दर्शन" योजना के तहत ग्रामीण पर्यटन सहित देश में पर्यटन के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है । मंत्रालय ने देश में 13 थीमेटिक परिपथों के तहत 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी है । ग्रामीण परिपथ, योजना के अंतर्गत परियोजनाओं की स्वीकृति केलिए अभिज्ञात थीमों में से एक है। इस योजना के तहत परियोजनाओं को निधि की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी की गई धनराशि के उपयोग आदि के तहत स्वीकृत किया जाता है ।

(ग): स्वदेश दर्शन योजना के तहत राजस्थान और महाराष्ट्र में स्वीकृत परियोजनाओं की वर्ष-वार विस्तृत सूची अनुबंध में दी गई है ।

*****

अनुबंध

राजस्थान और महाराष्ट्र में पर्यटन को बढ़ावा दिये जाने के संबंध में दिनांक 03.02.2022 के राज्य सभा लिखित प्रश्न सं. 271 के भाग (ग) के उत्तर में **विवरण**

राजस्थान और महाराष्ट्र में पर्यटन के संवर्धन के लिए स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य**	**स्वीकृति का वर्ष**	**परिपथ का नाम**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1	राजस्थान	2015-16	मरूस्थल परिपथ	शाकंभरी माता मंदिर, सांभर नमक परिसर, देवयानी कुंड, शर्मिष्ठा सरोवर, नलियासर और अन्य स्थलों का विकास	50.01
2	राजस्थान	2016-17	कृष्ण परिपथ	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का एकीकृत विकास।	75.80
3	राजस्थान	2016-17	आध्यात्मिक परिपथ	चूरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री सामोदे बालाजी, घाटके बालाजी, बंधेके बालाजी) - अलवर (पांडुपोल हनुमानजी, भरतहारी) - विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कमान क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंड) – मेहंदीपुरबाला जी का विकास	93.90
4	राजस्थान	2017-18	विरासत परिपथ	राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (नाहरगढ़ किला) - अलवर (बालाकिला) - सवाईमाधोपुर (रणथंभौर किला और खंडार किला) - झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) जैसलमेर (जैसलमेर किला) हनुमानगढ़ (कालीबंगा भटनेर किला और गोगामेड़ी)- जालोर (जालौर किला)- उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र)- धौलपुर (बाग-ए-नीलोफर और पुरानी छावनी)- नागौर (मीरा बाई स्मारक) का विकास	72.49
5	महाराष्ट्र	2015-16	तटवर्ती परिपथ	सिंधुदुर्ग तटीय सर्किट (शिरोदा बीच, सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (समुद्र तट और क्रीक), देवगढ़ (किला और समुद्र तट), मितभाव, टोंडावली, मोसेहमद और निवती किला) का विकास।	19.06
6	महाराष्ट्र	2018-19	आध्यात्मिक परिपथ	वाकी-अदासा-धापेवाड़ा-परदसिंह-छोटा ताज बाग-तेलखंडी-गिराड का विकास	54.01

****